राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

प्रिलिम्स के लिये:

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस, इको-टूरिज़्म, भारत में पर्यटन मंत्रालय, सकल घरेलू उत्पाद, सतत् पर्यटन, स्वदेश दर्शन योजना, देखो अपना देश पहल, राष्ट्रीय हरित पर्यटन मिशन, राष्ट्रीय पर्यटन दिवस, विश्व पर्यटन दिवस।

मेन्स के लिये:

भारत में पर्यटन क्षेत्र की स्थिति, पर्यटन क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ, भारत में पर्यटन से संबंधित पहल।

चर्चा में क्यों?

भारत की प्राकृतिक सुंदरता को पहचानने और **भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये पर्यटन के महत्त्व** के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये प्रत्येक वर्ष **25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस** मनाया जाता है।

- भारत **दुनिया भर के आगंतुकों के लिये शीर्ष पर्यटक आकर्षणों में से एक है।** इसलिये **सांस्कृतिक और आर्थिक दृष्टि** से भारत में पर्यटन का काफी महत्त्व है।

भारत में पर्यटन क्षेत्र की स्थिति:

- **परिचय:**
  - भारत पर्यटन का एक विविध पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जिसमें **इको-टूरिज़्म, परिभ्रमण, व्यवसाय, खेल, शैक्षिक, ग्रामीण और चिकित्सा यात्राएँ शामिल हैं।**
  - भारत में पर्यटन मंत्रालय पर्यटन को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिये देश की राष्ट्रीय नीतियों को तैयार करने हेतु ज़िम्मेदार है।
    - यह **स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ भी सहयोग करता है।**
- **अर्थव्यवस्था में योगदान:**
  - विश्व यात्रा और पर्यटन परिषद के अनुसार, **वर्ष 2021 में सकल घरेलू उत्पाद में यात्रा और पर्यटन के कुल योगदान के मामले में भारत 6वें स्थान पर है।**
    - **यात्रा और पर्यटन ने सकल घरेलू उत्पाद में 5.8%** का योगदान दिया और इस क्षेत्र ने 32.1 मिलियन नौकरियाँ सृजित कीं, जो वर्ष 2021 की कुल नौकरियों के 6.9% के बराबर है।
  - साथ ही भारत वर्तमान में **विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक (2021) में 54वें स्थान पर है।**
  - ग्लोबल डेटा के अनुसार, देश में अंतर्राष्ट्रीय आगमन वर्ष 2022 में 7.2 मिलियन और वर्ष 2023 में 8.6 मिलियन तक पहुँचने का अनुमान है।
- **पर्यटन क्षेत्र से संबंधित चुनौतियाँ:**
  - **प्रशिक्षण और कौशल विकास का अभाव:** यह देखते हुए कि पर्यटन उद्योग एक श्रम प्रधान क्षेत्र है, यह निर्विवाद है कि व्यावहारिक प्रशिक्षण एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
    - लेकिन वर्षों से प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता भारत में पर्यटन क्षेत्र के विकास के साथ तालमेल नहीं बिठा पाई है।
  - **संसाधनों का अतिदोहन:** अस्थिर पर्यटन अक्सर प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक उपभोग के माध्यम से दबाव डालता है, विशेष रूप से भारत के हिमालयी क्षेत्रों में जहाँ संसाधन पहले से ही दुर्लभ हैं।
    - **अस्थिर पर्यटन** स्थानीय भूमि उपयोग को भी प्रभावित करता है, जिसके परिणामस्वरूप मृदा क्षरण, **प्रदूषण** में वृद्धि और लुप्तप्राय प्रजातियों के प्राकृतिक आवासों का नुकसान होता है।
  - **बुनियादी सुविधा और सुरक्षा की कमी:** यह भारतीय पर्यटन क्षेत्र के लिये एक बड़ी चुनौती है। इसमें **बहु व्यंजन रेस्तराँ, बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं, सार्वजनिक परिवहन और स्वच्छता एवं पर्यटकों की सुरक्षा की कमी शामिल है।**
  - **भारत में पर्यटन से संबंधित पहलें:**
    - स्वदेश दर्शन योजना
    - मसौदा राष्ट्रीय पर्यटन नीति 2022

- [देखो अपना देश पहल]
- [राष्ट्रीय हरति पर्यटन मशिन]
- राष्ट्रीय पर्यटन दविस
- [वशि्व पर्यटन दविस (27 सतिंबर)]

भारत में सतत् पर्यटन को बढ़ावा:

- **ज़म्मिेदार, समावेशी, हरति पर्यटन (अधकिार):** बेहतर जवाबदेही सुनश्चिति करने के लयि **पर्यटन प्रबंधन** में शामलि सभी हतिधारकों को वनियिमों के सामान्य नयिमन द्वारा शासति करने की आवश्यकता है।
  - प्राकृतकि पारतिंत्र में न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ हरति पर्यटन (Green Tourism) को बढ़ावा देना और संवहनीय अवसंरचना को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है ताकआित्मीय आतथि्य को संपोषण मलि सके।
- **एकीकृत पर्यटन प्रणाली: देश भर में वांछति पर्यटन स्थलों और प्रमुख बाज़ारों एवं क्षेत्रों** की पहचान करने के लयि एक व्यापक बाज़ार अनुसंधान एवं मूल्यांकन अभ्यास कयिा जा सकता है।
  - इसके बाद फरि इन स्थानों का मानचत्रिण करने और सोशल मीडयिा के माध्यम से उनका प्रचार करने के लयि एक**डजिटिल एकीकृत प्रणाली** का वकिास कयिा जा सकता है जो '**एक भारत, श्रेष्ठ भारत**' के मूल तत्त्व का संवर्द्धन करेगा।
- **एक राज्य एक पर्यटन शुभंकर (One State One Tourism Mascot):** राज्य के पशुओं को, वशिेष रूप से बच्चों के बीच**पर्यटन शक्षिा को बढ़ावा देने के लयि** एक अभनिव उपकरण के रूप में वभिन्नि राज्यों के पर्यटन वभिागों हेतु एक वज्ञिापन शुभंकर के रूप में इस्तेमाल कयिा जा सकता है।
- **G20 की अध्यक्षता का लाभ उठाना:** भारत के पास **G20 की अध्यक्षता (दसिंबर 2022- नवंबर 2023)** के दौरान स्वयं को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापति करने का अवसर है।
  - भारत के पास वभिन्नि देशों के प्रतनिधिमिंडलों का स्वागत करते हुए '**अतथिदिेवो भव**' के अपने सदयिों पुराने आदर्श को प्रदर्शति कर सकने का अवसर मौजूद होगा।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न1. वकिास के वभिन्नि पहलों और पर्यटन के नकारात्मक प्रभाव से पर्वतीय पारस्थितिकिी तंत्र को कैसे पुनः प्राप्त कयिा जा सकता है? (2019)

प्रश्न 2. पर्यटन के कारण जम्मू-कश्मीर, हमिाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी पारस्थितिकि वहन की अधकितम सीमा तक पहुँच रहे हैं। समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजयि। (2015)

[स्रोत: इकोनॉमकि टाइम्स]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-tourism-day